प्रभात खबर 7
जमशेदपुर, बुधवार, 31 मार्च, 2010

ग्रामीण बैंक ने शुरू की बायोमैट्रिक कार्ड योजना

जमशेदपुर : झारखंड ग्रामीण बैंक ने अपने खाताधारियों के लिए एटीएम जैसे कार्ड योजना बायोमैट्रिक कार्ड मंगलवार से शुरू की. इस योजना के लिए पूर्वी सिंहभूम के लिए घाटशिला की काशीदा शाखा का चयन किया गया है. भारत सरकार के निर्देशानुसार नाबार्ड के सहयोग से वित्तीय समावेशन के लिए इसका चयन किया गया है. दूसरी रांची की कांके शाखा है. काशीदा शाखा ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए अपने सेवा क्षेत्र के पांच गांवों का चयन किया है. ये गांव हैं कालचिति, सोरादाबर, हीरागंज, बुरुडीह और मुराकाटी. प्रारंभ में इन पांचों गांवों के सभी वैसे लोगों का बचत खाता खुलवाने का काम किया जायेगा, जिनका किसी भी बैंक में खाता नहीं है. यह खाता बिना किसी रकम के खोला जायेगा. उक्त खाते का संचालन खाताधारी अपने गांव से ही कर सकेंगे. खाताधारी अपनी सुविधानुसार इस खाते में छोटी से छोटी जमाराशि रख सकते हैं और जरूरत के अनुसार अपने गांव, जहां शाखा का ग्राहक सेवा केंद्र होगा, से निकासी कर सकते हैं. इस कार्यक्रम में तकनीकी सहायता कोयबंटूर के सोर्स ट्रेस सिस्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नामक सॉफ्टवेयर कंपनी द्वारा दिया जा रहा है. कंपनी की ओर से दिनेश साहा और तमाल पॉल ने तकनीकी जानकारी दी. उन्होंने कहा कि वैसे लोग जो बूढे और लाचार हैं और उनके गांव से बैंक शाखा दूर है, यह कदम निःसंदेह उनके लिए सुविधाजनक साबित होगा. इसके लिए शाखा के व्यवसाय सहायक ग्राहक के दरवाजे जायेंगे. काशीदा शाखा में व्यवसाय सहायक के लिए जीशु राउत को चयनित किया गया है. ग्रामीण बैंक काशीदा की शाखा में छह माह पहले ही दीपक कुमार बेउरा ने पदभार ग्रहण किया था. शुभारंभ ग्रमीण बैंक के क्षेत्रिय प्रबंधक तपन कुमार ने किया. श्री बेउरा ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य 65 प्रतिशत बैंकिंग से अछूते व्यक्तियों को बैंकों से जोड़ना है.

बोयोमेट्रिक कार्ड योजना का उद्देश्य छूटे लोगों को बैंक से जोड़ना है